रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 104 इंदौर, शनिवार 22 मार्च 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION

शब्दों की शक्ति (सुविचार)

शब्द देते हैं सुकून, शब्द देते हैं प्यार
शब्द से संवरता है हर एक व्यवहार
शब्द से रिश्ते खिलते हैं, शब्द से बिगड़ते हैं
शब्दों की पहचान जरूरी है, ये मन को संवारते हैं!

ऑपरेशन हवालात के तहत देवास पुलिस की प्रभावी कार्यवाही

थाना हाटपीपल्या पुलिस के द्वारा फरार स्थाई गिरफ्तारी वारंटी हाकम सिंह उर्फ मोडू पिता गिरवर कंजर उम्र 50 वर्ष, निवासी ग्राम धानीघाटी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष किया पेश जिला पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद के द्वारा 01 नवम्बार 2024 से सम्पूर्ण जिलें मे "ऑपरेशन हवालात" की शुरूआत की गई है। जिसके अंतर्गत लंबे समय से फरार इनामी बदमाशों की की गिरफ्तारी पर जोर दिया जा रहा है । साथ ही गंभीर अपराधों मे फरार आरोपियों की त्वंरित गिरफ्तारी को भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

इसी अनुक्रम में माननीय न्यायालय

बागली के प्रकरण क्रमांक 729/19 धारा 25/27 आर्म्स एक्ट का आरोपी हाकम सिंह पिता गिरवर कंजर उम्र 50 वर्ष, निवासी ग्राम धानीघाटी पुलिस गिरफ्त से दूर चल रहा था। अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बागली सुश्री सृष्टि भार्गव, थाना प्रभारी हाटपीपल्या श्री सुजावल जग्गा (भा.पु.से.) एवं चौकी प्रभारी श्री हर्ष चौधरी नेतृत्व में "ऑपरेशन हवालात" के तहत विशेष टीम गठित की थी। जो कि मुखबिर तंत्र एवं तकनीकी साक्ष्योंस के आधार पर आरोपी की गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयत्नशील थी। दिनांक 21.03.2025 को पुलिस को पुख्ता सूचना मिली फरार गिरफ्तारी स्थाई वारंटी आरोपी को ग्राम धानीघाटी में देखा गया है। जिस पर तत्कालीन पुलिस अधीक्षक ने आरोपी की धरपकड़ हेतु टीम को रवाना किया । उक्ता टीम ने सफलता पूर्वक फरार गिरफ्तारी वारंटी आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

घर से कैश मिलने के मामले में जज वर्मा की मुश्किलें बढ़ीं

● सुप्रीम कोर्ट ने बैठा दी जांच, दिल्ली आवास से मिला था पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर पर लगी आग के दौरान मिली बड़ी रकम के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा ऐक्शन लिया है। कोर्ट ने जज के खिलाफ इन हाउस जांच शुरू कर दी है, जिससे उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। हाल ही में जज के दिल्ली स्थित आवास पर आग लग गई थी, जिसके बाद अधिकारियों को कथित तौर पर उनके घर में बेहिसाब नकदी मिली थी। जब यह मामला सरकार से होते हुए सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम तक पहुंचा तो जज यशवंत वर्मा का ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट कर दिया गया। इस मामले के बाद कई वरिष्ठ वकीलों ने जज के खिलाफ जांच की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष आदिश अग्रवाल ने भी कहा था कि कॉलेजियम को जज यशवंत वर्मा के खिलाफ लगे आरोपों की गहन जांच करनी चाहिए और

इन हाउस इन्क्वायरी भी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा था कि ट्रांसफर करना एक सामान्य बात है, कलंक नहीं है। मैं यह नहीं कह रहा कि भ्रष्टाचार ही होगा।

● सौरभ शर्मा मामले में विपक्ष को लगा झटका

सीबीआई जांच नहीं करवाएगी मोहन सरकार

● परिवहन घोटाले को लेकर कांग्रेस का हंगामा

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में परिवहन घोटाले को लेकर खूब हंगामा हुआ। कांग्रेस विधायकों ने 20 मार्च को इस मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग की। उन्होंने विधानसभा से वॉकआउट भी किया। राज्य में यह घोटाला एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है। कांग्रेस पार्टी सरकार पर घोटाले में शामिल लोगों को बचाने का आरोप लगा रही है। वहीं, सरकार ने सीबीआई जांच की मांग से इनकार कर दिया है। गुरुवार को कांग्रेस ने विधानसभा में इस मुद्दे पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि सरकार दोषियों को बचा रही है। वे इस पूरे मामले की सीबीआई से जांच चाहते हैं। कांग्रेस विधायकों ने सदन के बाहर सरकार के खिलाफ नारे भी लगाए और गंभीर आरोप लगाए। विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने कहा कि परिवहन घोटाले की जांच पहले से

ही तीन एजेंसियां कर रही हैं।

ये एजेंसियां हैं लोकायुक्त, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग। उन्होंने कहा कि फिर भी सरकार को यह जांच सीबीआई को सौंप देनी चाहिए। सिंघार ने आरोप लगाया कि परिवहन विभाग का एक पूर्व सिपाही, सौरभ शर्मा, पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि जब सोने की ईंटें किसी के यहां मिलती हैं, यह जनता का पैसा है। सरकार क्यों पूर्व के मंत्रियों को बचाना चाहती है। सरकार बैक फुट पर है। इसका मतलब है कि सरकार इस मामले में कमजोर दिख रही है। वहीं, सरकार की ओर से परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि इस मामले की जांच पहले से ही तीन एजेंसियां कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि जब तक इन एजेंसियों की रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक किसी और जांच एजेंसी से जांच कराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इन जांच एजेंसियों का जांच प्रतिवेदन जब तक नहीं आ जाता तब तक किसी अन्य जांच एजेंसी से जांच कराए जाने की आवश्यकता नहीं है। पहले से जो जांच हो रही है, उसके परिणाम आने दें। जांच रिपोर्ट आने से पहले कैसे आरोप लगा सकते हैं।

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई, की सर्जिकल स्ट्राइक

● राज्यसभा में अमित शाह बोले-10 साल में उखाड़ फेंके 3 बड़े नासूर

अमित शाह ने संसद में मोदी सरकार के बड़े कामों के बारे में बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में मोदी सरकार के 10 सालों के बड़े काम गिनाए। इस दौरान उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 साल में तीन बड़े नासूरों को उखाड़ फेंका। ये तीन नासूर थे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की समस्या, वामपंथी उग्रवाद और उत्तर पूर्व का उग्रवाद। गृहमंत्री ने आगे कहा, 2014 में सरकार बनाते समय हम कई सारे लेगेसी इश्यू मिले थे। अगर तीन बड़े नासूरों की बात की जाए तो उनके कारण देश की सुरक्षा, विकास और सार्वभौमिकता खतरे में आ गई थी। ये

तीनों नासूर पिछले चार दशकों से देश की सुरक्षा-व्यवस्था में खलल डालते रहे। इनके कारण ही विकास की गति को अवरुद्ध हो रही थी। वामपंथी उग्रवाद की बात करते हुए अमित शाह ने कहा,ये तो तिरुपति से पशुपतिनाथ तक एक करने का सपना देखते थे. तीनों समस्याओं को एक साथ गिना जाए तो चार दशक में इनके कारण देश के 92 हजार नागरिक मारे गए। मोदी सरकार आने से पहले तक इनके उन्मूलन को कोशिश कभी नहीं की गई। इस काम को मोदी सरकार आने के बाद किया गया।

हमारा जीवन वनों से ही संभव है: मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री ने विश्व वानिकी दिवस पर दिया वन संरक्षण पर जोर

पौधे रोपने का संकल्प लेने का प्रदेशवासियों से किया आह्वान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा जीवन वनों से ही संभव है, प्रदेश की वनभूमि जैव विविधता और हरियाली से परिपूर्ण है, यह शुद्ध हवा के लिए पृथ्वी के फेफड़ों के सामान है।

यह असंख्य वन्य जीवों का आश्रय स्थल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को विश्व वानिकी दिवस पर वनों के संरक्षण की प्रतिबद्धता दोहराते हुए प्रदेशवासियों से वनों के संरक्षण और उनके संवर्धन का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री डॉ.

यादव ने पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे रोपने का संकल्प लेने का भी प्रदेशवासियों से आव्हान किया। सीएम ने हर कोई एक पेड़ जरूर लगाए।

सोशल मीडिया पर अश्लीलता के खिलाफ पहली लड़ाई: हाईकोर्ट ने केंद्र को दिया सख्त आदेश, कानून बनाने की प्रक्रिया शुरू

ग्वालियर। सोशल मीडिया पर बढ़ती अश्लीलता और अनफ़िल्टर्ड कंटेंट को लेकर देशभर में उठ रही चिंताओं के बीच ग्वालियर हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक निर्णय सुनाया है। यह मामला उस समय सुर्खियों में आया जब हाईकोर्ट में देश की पहली जनहित याचिका (क्ष्ठ्रु) दायर की गई, जिसमें फेसबुक, मेटा, यूट्यूब, गूगल जैसे दिग्गज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अश्लील रील्स और कंटेंट के प्रसार को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए। हाईकोर्ट ने माना कि सोशल मीडिया के माध्यम से फैल रही अश्लीलता एक गंभीर सामाजिक समस्या बन गई है, जिससे युवाओं पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिए हैं कि वह इस मामले में कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करे। भारत सरकार ने भी कोर्ट में इस बात को स्वीकार किया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील कंटेंट पर लगाम लगाना जरूरी और अनिवार्य है। इस मुद्दे को सुलझाने के लिए सरकार ने नए कानून और कड़े नियम बनाने की बात कही है। अदालत ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता को आदेश की प्रमाणित प्रति के साथ केंद्रीय आईटी विभाग को अभ्यावेदन प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है और सरकार को निर्देश दिया गया है कि वह इस पर कानून के तहत उचित कदम उठाए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सेंसरशिप की मांग, हाईकोर्ट में हुई बड़ी बहस ग्वालियर हाईकोर्ट में मुरार निवासी अनिल बनवारिया ने एडवोकेट अवधेश सिंह भदौरिया के माध्यम से इस जनहित याचिका को दाखिल किया था। याचिका में बताया गया कि सोशल मीडिया पर रील्स और वीडियो के जरिए अश्लीलता खुलेआम परोसी जा रही है, जो केंद्र सरकार के आईटी एक्ट के तहत दंडनीय अपराध है। आरोप लगाया गया कि इन मामलों में एफआईआर दर्ज नहीं हो रही, ना ही अश्लील कंटेंट पर कोई रोक लगाई जा रही है। ऐसे में याचिका में सेंसरशिप लागू करने, सोशल मीडिया कंपनियों को सख्त नियमों के दायरे में लाने और कंटेंट पर निगरानी बढ़ाने की मांग की गई थी।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर परोसी जा रही अश्लीलता युवाओं की मानसिकता पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है और सामाजिक मूल्यों को ठेस पहुंचा रही है। याचिका में यह भी कहा गया कि इन कंपनियों को इस बात की पूरी जवाबदेही लेनी चाहिए कि वे भारत के कानूनों का पालन करें और ऐसा कंटेंट रोकने के लिए कड़े कदम उठाएं।

सोशल मीडिया पर सेंसरशिप को लेकर बड़ा कदम, अब सरकार क्या करेगी? हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद केंद्र सरकार सोशल मीडिया कंटेंट की निगरानी के लिए सख्त कानून लाने पर विचार कर रही है। संभावना है कि जल्द ही आईटी एक्ट में संशोधन करके अश्लील रील्स और कंटेंट को रोकने के लिए कड़े नियम लागू किए जाएंगे।

देशभर में इस फैसले की चर्चा, क्या यह सोशल मीडिया की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाएगा? हाईकोर्ट के इस निर्णय ने पूरे देश में एक नई बहस छेड़ दी है। जहां कुछ लोग इसे सोशल मीडिया को साफ-सुथरा बनाने की दिशा में बड़ा कदम मान रहे हैं, वहीं कुछ इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने का प्रयास भी कह रहे हैं। फिलहाल, यह देखना दिलचस्प होगा कि सरकार इस आदेश के आधार पर कैसे कानून बनाती है और सोशल मीडिया कंपनियों को इस पर क्या रुख अपनाना पड़ता है।

हाईकोर्ट में अंबेडकर प्रतिमा को लेकर बड़ा विवाद: बार एसोसिएशन ने खोला मोर्चा, अधिवक्ताओं के बीच बढ़ा टकराव

ग्वालियर। हाईकोर्ट परिसर में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। यह मुद्दा अब तूल पकड़ चुका है, जहां एक ओर अधिवक्ताओं का एक समूह प्रतिमा स्थापना के पक्ष में खड़ा है, वहीं दूसरी ओर बार एसोसिएशन इसका पुरजोर विरोध कर रही है। वकीलों के दो गुट आमने-सामने, हाईकोर्ट परिसर में बढ़ा तनाव हाईकोर्ट परिसर में अंबेडकर की प्रतिमा लगाने को लेकर शुक्रवार को बार एसोसिएशन ने कड़ा विरोध प्रदर्शन किया। वकीलों ने रेड रिबन बांधकर प्रस्तावित मूर्ति निर्माण कार्य को जबरन रुकवा दिया। बार एसोसिएशन का कहना है कि जब तक सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और कानूनी प्रक्रियाओं के तहत उचित अनुमति नहीं मिल जाती, तब तक परिसर में किसी भी प्रकार की प्रतिमा स्थापित नहीं की जाएगी।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन पाठक का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट आदेश है कि चौक, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर महापुरुषों की मूर्तियां नहीं लगाई जा सकतीं। इसके बावजूद, हाईकोर्ट परिसर में अंबेडकर प्रतिमा स्थापना का कार्य तेज गति से किया जा रहा था। बार एसोसिएशन ने इस मुद्दे को लेकर प्रस्ताव पारित किया कि जब तक हाईकोर्ट की विधिवत अनुमति नहीं मिल जाती, तब तक परिसर में कोई भी प्रतिमा नहीं लगाई जाएगी।दूसरी ओर, प्रतिमा समर्थकों की दलील- जबलपुर और सुप्रीम कोर्ट में लगी है मूर्ति, तो यहां क्यों नहीं? अधिवक्ता धर्मेंद्र कुशवाह और उनकी टीम ने बार एसोसिएशन के विरोध को अनुचित करार दिया है। उनका कहना है कि सुप्रीम कोर्ट परिसर में भी अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित की गई है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर मुख्य पीठ में भी बाबा साहेब की मूर्ति मौजूद है।प्रतिमा समर्थक वकीलों का कहना है कि ÷जब न्याय के सबसे बड़े मंदिर यानी सुप्रीम कोर्ट में अंबेडकर जी की प्रतिमा लगी है, तो ग्वालियर हाईकोर्ट में क्यों नहीं?÷ न्यायालय परिसर को %सर्वधर्म समभाव% का प्रतीक बनाने की मांग बार एसोसिएशन के कुछ वरिष्ठ अधिवक्ताओं का मानना है कि न्यायालय को जाति-धर्म से ऊपर रहकर कार्य करना चाहिए। इसलिए, किसी भी महापुरुष की प्रतिमा परिसर में नहीं लगाई जानी चाहिए, चाहे वे भगवान राम हों, श्रीकृष्ण हों या डॉ. अंबेडकर। उनका कहना है कि यदि हाईकोर्ट परिसर को निष्पक्ष और तटस्थ बनाए रखना है, तो वहां किसी भी प्रकार की प्रतिमा लगाने से बचना चाहिए। क्या होगा आगे? हाईकोर्ट प्रशासन का मौन रुख अब तक हाईकोर्ट प्रशासन ने इस मुद्दे पर कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया है। प्रतिमा समर्थकों और विरोधियों के आमने-सामने आने से परिसर में तनाव बढ़ गया है। अब देखना यह होगा कि क्या प्रतिमा लगाने की अनुमति दी जाएगी या नहीं?

मध्यप्रदेश विधानसभा में गूंजे आंसू! मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल फूट-फूटकर रोए, कांग्रेस विधायकों की आंखें भी हुई नम

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र शुक्रवार (21 मार्च) को बेहद भावुक क्षणों का गवाह बना, जब मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल सदन में अपने आंसू नहीं रोक पाए। एक पिता के दर्द में डूबे मंत्री जी फूट-फूटकर रो पड़े, जिससे माहौल गमगीन हो गया। कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा के सवाल के जवाब में जब बेटे से जुड़े मुद्दे पर चर्चा हुई, तो पूरा सदन संवेदनशील हो उठा और कांग्रेस विधायक भी भावुक हो गए।

बेटे पर स्न्ढ्क्रकी बात सुनते ही मंत्री की आंखों से छलके आंसू मध्य प्रदेश विधानसभा के आठवें दिन की कार्यवाही के दौरान कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा ने अपने बेटे पर दर्ज स्न्ढ्क्रको लेकर प्रश्न उठाया। इस पर मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने जवाब दिया कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी। लेकिन बेटे के मुद्दे पर चर्चा होते ही मंत्री जी खुद को रोक नहीं पाए और सदन में ही फूट-फूटकर रोने लगे।

भावुक मंत्री ने सदन में कहा ÷बेटे की बात है... जब अपने ही परिवार पर संकट आता है, तो वह दर्द असहनीय हो जाता है।÷ उनकी आंसुओं से भरी आवाज सुनकर विपक्ष के कई विधायक भी भावुक हो गए। कांग्रेस विधायकों ने किया समर्थन, पुलिस की कार्रवाई पर उठाए सवाल इस दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी अभय मिश्रा का समर्थन किया और कहा, ÷एक विधायक के परिवार के साथ अन्याय हो रहा है और सरकार पुलिस का मनोबल बनाए रखने की बात कर रही है!÷ वहीं कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा, ÷जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार हो रहा है। अगर पुलिस अपराध रोकने के बजाय अत्याचार करेगी, तो जनता का आक्रोश बढ़ेगा।÷ सदन में गरमाई बहस, सरकार ने दिए ज्ञ.ढ्व. को निलंबित करने के आदेश विपक्ष के तीखे हमलों के बाद, मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने सदन में घोषणा की कि रीवा के चोरहटा थाना प्रभारी अवनीश पांडे को निलंबित किया जाएगा।

काल भैरव धाम में नशेड़ियों का उत्पात, पीठाधीश्वर को दी जान से मारने की धमकी

रायसेन। स्थित प्रसिद्ध काल भैरव धाम में नशे में धुत शरारती तत्वों ने जमकर उत्पात मचाया। मंदिर में तोड़फोड़ करने के साथ ही पीठाधीश्वर नाना काल भैरव सरकार को जान से मारने की धमकी दी। मामला देवनगर थाना क्षेत्र के सांचेत गांव का है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली, लेकिन उनकी हिम्मत इतनी बढ़ गई कि कुछ घंटों बाद ही वे दोबारा धाम पहुंचकर हंगामा करने लगे। पीठाधीश्वर नाना काल भैरव सरकार ने बताया कि कुछ लोगों ने शराब के नशे में धाम पर हंगामा किया, भक्तों के साथ गाली-गलौज की और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। उनके पास चाकू थे और उन्होंने कहा, ÷महाराज, जैसे ही आप धाम से बाहर निकलोगे, आपको मार देंगे।÷ इस चमत्कारी धाम में देश-विदेश से हजारों भक्त आते हैं, लेकिन इन असामाजिक तत्वों की वजह से भक्तों में डर का माहौल है। उन्होंने एसपी पंकज कुमार पांडे से मुलाकात कर धाम और भक्तों की सुरक्षा की मांग की है। पीठाधीश्वर का कहना है कि धाम की बढ़ती लोकप्रियता कुछ शरारती तत्वों को रास नहीं आ रही, इसलिए वे बार-बार हंगामा कर रहे हैं।

पुलिस की कार्रवाई और आरोपियों का दुस्साहस- मामला सामने आने के बाद एसपी के निर्देश पर देवनगर थाने में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया।

सूदखोरों की ब्लैकमेलिंग से तंग आकर किसान के बेटे ने दी जान, 8 महीने बाद 9 आरोपियों पर एफआईआर

ग्वालियर। जिले में सूदखोरों के आतंक का खौफनाक मामला सामने आया है। ब्लैकमेलिंग और झूठे केस में फंसाने की धमकियों से परेशान होकर एक किसान के बेटे ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। इस दर्दनाक घटना को बीते 8 महीने हो चुके हैं, लेकिन अब जाकर पुलिस ने मामले की जांच पूरी कर 9 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। ग्वालियर के कंपू थाना क्षेत्र की किरार कॉलोनी में रहने वाले किसान रामलखन सिंह गुर्जर के 24 साल के बेटे गिर्राज सिंह ने 10 जुलाई 2024 को जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। वह अपने परिवार का इकलौता बेटा था। मरने से पहले उसने एक सुसाइड नोट लिखा, जिसमें 9 लोगों के नाम दर्ज थे। इनमें सिकंदर गुर्जर, रविन्द्र सिंह गुर्जर, प्रदीप किरार, शैलेन्द्र उर्फ शैलू गुर्जर, अभिजीत यादव, सौरव पटेल, नीतेश गोस्वामी उर्फ भूरा, राम मिश्रा और नवल सिंह उर्फ खैरू गुर्जर का नाम शामिल था। सुसाइड नोट में गिर्राज ने लिखा कि ये सभी लोग उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर लाखों रुपये ऐंठ चुके थे। इसके बाद भी वे उसे लगातार ब्लैकमेल कर रहे थे और मानसिक प्रताड़ना दे रहे थे। आखिरकार, इन सबसे परेशान होकर उसने अपनी जिंदगी खत्म करने का फैसला किया।

पुलिस जांच में खुला सूदखोरी का काला कारोबार

गिर्राज की मौत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। 8 महीने की जांच में सामने आया कि आरोपी सूदखोरी का धंधा करते हैं। ये लोग जरूरतमंदों को ऊंचे ब्याज पर पैसा देते और फिर रकम वसूलने के लिए धमकियां देते। गिर्राज को भी पहले दोस्ती के जाल में फंसाया गया और फिर उसे लगातार पैसों के लिए प्रताड़ित किया गया। पुलिस ने जब सभी आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया तो खबर फैलते ही सभी आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने उनकी तलाश तेज कर दी है और जल्द ही गिरफ्तारी की बात कही जा रही है। इस मामले की जानकारी सीएसपी ग्वालियर रोबिन जैन ने दी। पुलिस का कहना है कि आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि आगे कोई और निर्दोष व्यक्ति इस तरह से अपनी जान न गंवाए।

गलत इलाज का सनसनीखेज मामला- मामूली बीमारी को बना दिया टीबी, डॉक्टर की लापरवाही से मरीज परेशान

अनूपपुर। जिले के बिजुरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक डॉक्टर की लापरवाही के कारण एक मरीज को महीनों तक गलत इलाज झेलना पड़ा। दीप नारायण शर्मा नाम के युवक को बालतोड़ (फोड़ा) की समस्या थी, लेकिन डॉक्टर ने बिना किसी जांच के उसे स्किन टीबी का मरीज बताकर उसका इलाज शुरू कर दिया। जब दीप नारायण शर्मा नागपुर के सेवन स्टार अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचे, तो वहां जांच के बाद यह साफ हो गया कि उन्हें टीबी जैसी कोई बीमारी थी ही नहीं।

मामले का खुलासा होते ही मरीज को झटका लगा और वह पूरी तरह स्वस्थ होकर अनूपपुर लौटा। इसके बाद उन्होंने डॉक्टर की लापरवाही से हुए गलत इलाज की शिकायत जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से की। अब इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। दीप नारायण शर्मा को पहले छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़ स्थित याशिका नर्सिंग होम में डॉक्टरों ने स्किन टीबी होने की बात कही थी। इसके बाद उन्होंने अपने गृह ग्राम बिजुरी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर मनोज सिंह को दिखाया, जिन्होंने बिना किसी जांच के ही टीबी का इलाज शुरू कर दिया। इस पूरे मामले को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजेंद्र वर्मा ने कहा कि उन्हें अभी यह मामला संज्ञान में आया है। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मरीज को महीनों तक टीबी की गैर-जरूरी दवाइयां दी गईं, जिससे न केवल उसकी सेहत पर असर पड़ा बल्कि मानसिक तनाव भी झेलना पड़ा।

सरकारी अस्पतालों में इस तरह की लापरवाही अब आम होती जा रही है, जहां डॉक्टर बिना जांच के ही इलाज शुरू कर देते हैं। यह घटना स्वास्थ्य विभाग के लिए एक बड़ा सवाल खड़ा करती है कि आखिर मरीजों की जान से इस तरह का खिलवाड़ कब तक चलता रहेगा?

रणजीत टाइम्स
इंदौर, शनिवार 22 मार्च 2025
03
DIGITAL EDITION

जल संरक्षण की पुकार: पानी बचाने के लिए सभी को एक साथ आना होगा

इंदौर। पानी को बचाने के लिए केवल एक दिन जागरूकता काफी नहीं है, बल्कि यह एक सतत प्रयास होना चाहिए। यदि आज हमने जल संरक्षण को गंभीरता से नहीं लिया, तो भविष्य में पीने का पानी भी दुर्लभ हो जाएगा। इस गंभीर विषय पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में विश्व जल दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में विद्वानों ने विचार व्यक्त किए।

जल वैज्ञानिक तापस सरस्वती ने बताया कि इस वर्ष विश्व जल दिवस की थीम ÷ग्लेशियरों को संरक्षित करना÷ है। उन्होंने जल संकट की भयावहता को समझाते हुए बताया कि पृथ्वी का 80त्न भाग जल से ढंका है, लेकिन इसमें से 97.5त्न महासागरीय जल है, जो पीने योग्य नहीं है। केवल 1त्न पानी ही हमारे उपयोग लायक है, जिसे बचाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रगति सभी समस्याओं की जननी बन जाती है। जल चक्र में पानी की उपलब्धता और गुणवत्ता सबसे जरूरी कारक हैं, जिन पर ध्यान देना होगा। जल संरक्षण के लिए आर्टिफिशियल ग्राउंडवॉटर रीचार्जिंग, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, घरेलू पानी का समझदारी से उपयोग और वेस्ट वाटर का पुनःचक्रण सबसे जरूरी उपाय हैं। न्होंने कहा कि सबसे अच्छा तरीका वेस्ट वाटर को दोबारा उपयोग में लाना है, क्योंकि हमें पीने के लिए बहुत कम पानी चाहिए, जबकि बाकी जरूरतों के लिए बड़ी मात्रा में पानी खर्च होता है। सिंगापुर का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि वहां पीने

के पानी का कोई प्राकृतिक स्रोत नहीं है। वे पहले मलेशिया से पानी खरीदते थे, लेकिन यह महंगा पड़ता था। इसके बाद उन्होंने वेस्ट वाटर को इतना ट्रीट किया कि वह पीने योग्य हो गया। आज भारत में भी यह तकनीक आसान है, लेकिन लोग अभी भी ट्रीटेड पानी को अपनाने के लिए तैयार नहीं हैं। छोटे-छोटे बदलाव से पानी बचाया जा सकता है। एक छोटे से लीकेज से सालभर में 1 लाख लीटर पानी व्यर्थ हो जाता है। बड़ी बाल्टी की जगह छोटी बाल्टी और बड़े मग की जगह छोटा मग इस्तेमाल करने से भी जल संरक्षण में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि इंदौर जैसे शहरों में बाथटब में 100 लीटर पानी खर्च करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक दिन ÷वर्ल्ड वाटर डे÷ मनाने से कुछ नहीं बदलेगा, इसके लिए निरंतर जागरूकता और सही आदतों की जरूरत है। कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को जल संरक्षण की गंभीरता और इसके समाधान के बारे में जागरूक किया गया।

जल विशेषज्ञ डॉ. सुनील व्यास ने कहा कि पानी का व्यर्थ उपयोग न करें और इसके संरक्षण में योगदान दें। हमें पानी की एक-एक बूंद का सम्मान करना चाहिए। अगर हम एक ग्लास पानी लेते हैं, तो हमें उसे पूरा पीना चाहिए। वृक्ष लगाना आसान है, लेकिन हमें उसकी देखभाल करनी भी जरूरी है। हमें एक ही पेड़ लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए जब तक वह खुद को सींचने के लायक न हो जाए। डॉ. व्यास ने कागज के उपयोग पर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि कागज बनाने में भी बहुत पानी लगता है। इसलिए, हमें कागज का उपयोग करते समय भी ध्यान रखना है कि इसके कारण कितना पानी व्यर्थ हुआ है।

पर्यावरणविद् डॉ. ओ. पी. जोशी ने कहा कि कल विश्व जल दिवस है पर आज विश्व वन दिवस है। जल और वन का नाता तो एक-दूसरे से है ही। उन्होंने 'आभासी जल' की गंभीरता को रेखांकित किया। उन्होंने प्रोफेसर टोनी एलन का जिक्र किया, जो ब्रिटिश भूगोलवेत्ता थे। उन्होंने ÷आभासी जल÷ की अवधारणा प्रस्तुत की थी। 1993 से 2001 तक इस क्षेत्र में गहन शोध करने के लिए उन्हें 2008 में स्टॉकहोम वॉटर प्राइज से सम्मानित किया गया था। उन्होंने इस अवधारणा को दुनिया के सामने रखा कि किसी भी खाद्य या औद्योगिक उत्पाद के निर्माण में प्रत्यक्ष रूप से दिखने वाले पानी के अलावा भी बड़ी मात्रा में जल की खपत होती है, जिसे %आभासी जल% कहा जाता है। अलग-अलग देशों में कृषि में जल उपयोग की मात्रा भिन्न होती है–भारत में 300 लीटर पानी जिस काम में लगता है, वही मात्रा ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका में अलग हो सकती है। इस पानी के निर्यात में पहले अमेरिका, दूसरे चीन और तीसरे पर भारत है। इसलिए, न केवल दिखने वाले पानी की, बल्कि छिपे हुए जल संसाधनों की भी बचत जरूरी है। डॉ. जोशी ने उदाहरण देकर कुछ आंकड़ों का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने बताया कि भारत में 1 किलो चावल के उत्पादन में 2500 लीटर, मक्के में 300 लीटर और शक्कर में 2500 लीटर पानी की खपत होती है। जल की कमी वाले क्षेत्रों में अत्यधिक पानी खपत करने वाली फसलें उगाने से सूखे की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। भारत जैसे देश में, जहां कई क्षेत्र पहले से ही जल संकट का सामना कर रहे हैं, गेहूं, चावल और शक्कर की खेती में पानी ज्यादा लगता है। ऐसे में उसका उपयोग कम करके, मोटा अनाज का उपयोग खाने में लाना चाहिए क्योंकि उसकी खेती में पानी कम लगता है। उन्होंने बताया कि वाटर फुटप्रिंट के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन प्रति व्यक्ति लगभग 1000 लीटर पानी की खपत होती है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 2000 से 2500 लीटर तक पहुंच जाती है। मांसाहारी भोजन में शाकाहारी भोजन को पकाने की तुलना में पानी ज्यादा लगता है। एक कॉटन शर्ट को कपास के पौधे से शर्ट बनने तक में लगभग 2500 लीटर पानी खर्च होता है, जबकि जींस के निर्माण में 4000 लीटर पानी की जरूरत होती है। खाने की थाली में जितना हम झूठन छोड़ते हैं, तो खाने के साथ पानी भी व्यर्थ होता है, जो उसके पकने में उपयोग हुआ है। जो पानी विजिबल है, उसके संरक्षण के साथ ही जो पानी इनविजिबल है, उसकी भी रक्षा करनी होगी।

संगोष्ठी में मौजूद वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि जल संरक्षण केवल सरकार या किसी विशेष संगठन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति को इसमें योगदान देना होगा। हमें अपने दैनिक जीवन में पानी के अपव्यय को रोकना होगा और जल पुनर्चक्रण को अपनाना होगा। पानी के महत्व को समझते हुए हमें इसे बचाने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। यदि हमें भविष्य में जल संकट से बचना है, तो आज से ही पानी बचाने और उसे दोबारा उपयोग में लाने की आदत डालनी होगी।

संभाग में औद्योगिक निवेश को मिलेगा बढ़ावा, रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे

इंदौर। राज्य सरकार के निर्देशानुसार इस वर्ष को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी के तहत इंदौर संभाग में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में रीजनल कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह सहित अन्य जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायतों के सीईओ, संबंधित विभागों के अधिकारी और पीथमपुर औद्योगिक संगठन के प्रतिनिधि मौजूद रहे। संभागायुक्त दीपक सिंह ने कहा कि इंदौर संभाग में औद्योगिक निवेश के लिए अनुकूल माहौल और बेहतर संसाधन उपलब्ध हैं। इस वजह से निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ रही है और अब तक 82 हजार करोड़ रुपये से अधिक निवेश की मंशा जताई जा चुकी है। इससे औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलेगी और बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देश दिए कि वे जल्द से जल्द औद्योगिक इकाइयों के लिए भूमि का चिन्हांकन करें ताकि निवेशकों को शीघ्र भूमि आवंटित हो सके।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, इसलिए हर जिले में ज्यादा से ज्यादा औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जाएं ताकि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ें। औद्योगिक क्षेत्रों में आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए और हर दो महीने में एक बैठक आयोजित कर औद्योगिक इकाइयों से चर्चा की जाए। उन्होंने बुरहानपुर जिले में हर ग्राम पंचायत स्तर पर एक लूम स्थापित करने और इंदौर की तरह हर ग्राम पंचायत में एक औद्योगिक इकाई स्थापित करने की योजना को भी आगे बढ़ाने की बात कही।

इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह की पहल पर जिले में हर ग्राम पंचायत स्तर पर एक औद्योगिक इकाई की स्थापना की जा रही है, जो लगभग पूर्ण हो चुका है। संभागायुक्त ने अन्य जिलों के कलेक्टरों से भी ऐसे प्रयास करने को कहा और बताया कि सरकार निजी क्षेत्र के सहयोग से औद्योगिक केंद्रों के विकास के लिए पूरी मदद करेगी। एमपीआईडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश राठौर ने औद्योगिक विकास की जानकारी देते हुए बताया कि इंदौर जिले में अब तक 50 हजार करोड़ रुपये के निवेश से औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो चुकी हैं, जिससे एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। धार जिले में 1.20 लाख करोड़ रुपये, खरगोन में 1500 करोड़ रुपये, बड़वानी में 162 करोड़ रुपये और झाबुआ में 1500 करोड़ रुपये के औद्योगिक निवेश हो चुके हैं। इंदौर में आईटी पार्क-3 और 4, पीथमपुर सेक्टर-7, एकोनॉमी कॉरिडोर, प्लग एंड प्ले पार्क बरलई जैसी परियोजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है। इसी तरह धार जिले में पीएम मित्र पार्क तिलगारा, लालबाग-बसई और पीथमपुर सेक्टर-7 पर भी कार्य जारी है। संभाग में औद्योगिक विकास की इन पहलों से न केवल निवेश बढ़ेगा, बल्कि हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

मेघदूत उपवन में फिर लौटेगी रौनक, डेढ़ करोड़ रुपये से सँवारा, अब रंग-बिरंगे पौधों से सजाया जाएगा गार्डन

इंदौर। शहर का प्रसिद्ध मेघदूत उपवन अब नए रंग-रूप में नजर आएगा। नगर निगम ने उपवन के सौंदर्यीकरण के लिए बड़े स्तर पर काम किया है और करीब डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से इसे संवारने का कार्य पूरा किया गया है। अब यहां आने वाले दिनों में कई प्रजातियों के रंग-बिरंगे पौधे लगाए जाएंगे, जिससे उपवन की सुंदरता और अधिक निखरेगी। कभी शहर की शान रहे इस गार्डन की हालत रखरखाव के अभाव में बेहद खराब हो गई थी। मेन गेट तक टूट चुके थे, जिसके चलते आवारा पशु यहां आसानी से घुस आते थे। महंगे फव्वारे और अन्य संरचनाएं या तो खराब हो गई थीं या चोरी हो चुकी थीं। मगर नगर निगम ने कमर कसते हुए इस उपवन को फिर से जीवंत बनाने का बीड़ा उठाया और अब इसे पूरी तरह संवार दिया गया है।

फव्वारे से लेकर टाइल्स तक बदले गए

नगर निगम जनकार्य समिति के प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि उपवन के सभी फव्वारों को बदला गया और उन्हें फिर से चालू कर दिया गया है। पूरे परिसर में नई इंटरलाकिंग टाइल्स लगाई गई हैं और वहां आने वाले लोगों के लिए नई बेंचें भी लगाई गई हैं। इसके अलावा गार्डन में रंग रोगन और अन्य सौंदर्यीकरण कार्य भी किए गए हैं।

जल्द लगेगा रंग-बिरंगे पौधों का श्रृंगार

नगर निगम ने उपवन में विभिन्न प्रजातियों के रंग-बिरंगे पौधे लगाने की योजना बनाई है, जिससे गार्डन और भी आकर्षक नजर आएगा। वहीं, उपवन में पड़े नगर निगम के वाहनों के अटाले को भी हटाया जा रहा है ताकि साफ-सफाई बनी रहे। इस नए बदलाव से इंदौर वासियों को फिर से एक सुंदर और स्वच्छ उपवन का तोहफा मिलेगा, जहां वे सुकून के पल बिता सकेंगे।

कविता

"अपनों की परेशानी"

थोड़ी-थोड़ी परेशानियाँ तो सबके जीवन में होती हैं,
पर हमें अपने काम से नहीं,
बल्कि अपनों से परेशानी होती है।

जो हमें समझते नहीं,
जो हमें हमारे नज़रिए से नहीं देखते,
जो हमारी भावनाओं को हल्के में ले लेते हैं,
जो हमारे संघर्ष को कभी महसूस ही नहीं कर पाते।

काम की मुश्किलें तो हल की जा सकती हैं,
पर जब अपने ही दिल पर बोझ बन जाएं,
तो ज़िंदगी की राहें और भी कठिन हो जाती हैं।

जो अपने थे, वो ही सवाल करने लगे,
जो अपने थे, वो ही फासले बढ़ाने लगे।
परेशानी यह नहीं कि दुनिया क्या सोचती है,
परेशानी यह है कि अपने ही
हमें समझने से इंकार कर देते हैं।

लेकिन कोई बात नहीं,
समय सिखा देता है सबको,
जो हमें नहीं समझते,
कभी खुद ही हमारी जगह आकर समझ जाएंगे।
ज़िंदगी को अपने हिसाब से जीना सीखो,
अपनों से उम्मीदें कम करो – सुकून मिल जाएगा!

गोपाल गावंडे

अखिल भारतीय युवा सर्व सेन समाज का होली मिलन समारोह एवं लगन वितरण आयोजन संपन्न हआ

रंजीत टाइम्स

हाटपिपल्या।अखिल भारतीय युवा सर्व सेन समाज का होली मिलन समारोहों एवं लगन वितरण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अखिल भारतीय युवा सर्व सेन समाज का 6 अप्रैल रामनवमी के अवसर पर होने वाले सामुहिक विवाह सम्मेलन मैं विवाह योग्य वर वधू का पंजीयन करवाने वाले परिवार जनों को सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति द्वारा लग्न वितरण किये गया एवं होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष मनोहर लाल भाटिया, राजेंद्र परमार,मुकेश वर्मा, अंतर सेन, सम्मेलन सचिव महेश वर्मा ,उपाध्यक्ष संतोष वर्मा बड़ियां मांडु,महेंद्र वर्मा बरोठा, राजेश वर्मा बागली, संजय चौहान, आदि मौजूद थे।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कांफ्रेंस सम्पन्न

इंदौर- संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने कहा कि निराश्रित, मानसिक रूप से अविकसित और अन्य दिव्यांगजनों के लिये संभाग के हर जिले में खरगोन और बड़वानी की आस्था ग्राम संस्था की तर्ज पर एक-एक संस्थाओं को विकसित किया जाये। संभाग के सभी जिलों में गो-शालाओं को जन सहभागिता से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किये जाये। इसके लिये सभी कलेक्टर्स कार्ययोजना शीघ्र तैयार करें। उन्होंने निर्देश दिये कि राजस्व प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ किया जाना सुनिश्चित किया जाये। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज यहां एमपीआईडीसी के सभाकक्ष में कलेक्टर्स कांफ्रेंस सम्पन्न हुई। इस अवसर पर इंदौर जिले के कलेक्टर श्री आशीष सिंह सहित संभाग के जिलों के कलेक्टर्स, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, संयुक्त आयुक्त राजस्व श्रीमती सपना लोवंशी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, धारणाधिकार, स्वामित्व, प्रधानमंत्री आवास योजना, डायवर्सन सहित अन्य राजस्व वसूली, लोक सेवा गारंटी तथा सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण, खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भण्डारण के विरूद्ध की जा रही कार्रवाई आदि की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संभाग में अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिये चलाये जा रहे अभियान की भी समीक्षा की। बैठक में श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राजस्व वसूली में तेजी लायें और वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पूर्व लक्ष्य को पूर्ण करें। राजस्व प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में किया जाना सुनिश्चित किया जाये। अस्वीकृत एवं निरस्त राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की जाये। यह समीक्षा वरिष्ठ स्तर के अधिकारी से कराई जाये।

गायत्री ज्ञान मंदिर के ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत 435वाँ युगऋषि वाङ्मय की स्थापना सम्पन्न

"ज्ञानदान पूर्वजों के लिये सच्ची श्रद्धांजली है।" --उमानन्द शर्मा

गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत ''यशराज इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन, बाघामऊ, गोमतीनगर, सेक्टर-6, लखनऊ, उ०प्र०'' के केन्द्रीय पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं० श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 435वाँ ऋषि वाङ्मय की स्थापना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उपरोक्त साहित्य गायत्री परिवार की सक्रिय कार्यकर्त्री श्रीमती रेखा श्रीवास्तव (पुत्रवधू) एवं श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव (पुत्र) ने अपने माता स्व० श्रीमती राजा बेटी श्रीवास्तव एवं पिता स्व० बाबूराम श्रीवास्तव की स्मृति में भेंट किया तथा सभी छात्र-छात्राओं, संकाय सदस्यों, विभागाध्यक्ष एवं अधिकारियों को अखण्ड ज्योति (हिन्दी) पत्रिका भेंट की। इस अवसर पर वाङ्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि "ज्ञानदान पूर्वजों के लिये सच्ची श्रद्धांजली है।" संस्थान के निदेशक डॉ0 देश दीपक पाण्डेय ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का समापन संस्थान के विभागाध्यक्ष डॉ० ओम प्रकाश सिंह यादव ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया। इस अवसर पर गायत्री ज्ञान मंदिर के प्रतिनिधि श्री उमानंद शर्मा, श्रीमती रेखा श्रीवास्तव, श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, श्रीमती देवांगना श्रीवास्तव, श्री अनुभव श्रीवास्तव, श्रीमती रीता श्रीवास्तव, श्री देवेन्द्र सिंह तथा संस्थान के निदेशक डॉ0 देश दीपक पाण्डेय, उपप्रबंधक श्री योगेश सिंह सहित कॉलेज के संकाय सदस्य एवं छात्र-छात्रायें मौजूद रहे।

सरसों, सूरजमुखी और मूंगफली तेल के दाम में

तेजी से महंगाई भड़कने के आसार

नईदिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ महीनों में महंगाई दर में गिरावट के बावजूद महंगे खाद्य तेलों से राहत नहीं मिल पा रही है। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, प्रमुख खाद्य तेलों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। सबसे अधिक तेजी सरसों, सूरजमुखी और मूंगफली के तेल में देखी गई है। इसी तरह से डेयरी प्रोडक्ट की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो रही है। ऐसी स्थिति में भविष्य में महंगाई दर में उछाल देखने को मिल सकता है।

मार्च के लिए जारी आरबीआई की रिपोर्ट कहती है कि बीते एक वर्ष में खाद्य मूल्य सूचकांक में 7.1 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। इसके उलट खाद्य तेल से जुड़ा प्राइस इंडेक्स एक वर्ष में 112 से बढ़कर 156 पर पहुंच गया है। जबकि डेयरी उत्पाद के मूल्य से जुड़ा सूचकांक भी 122 से बढ़कर 148 तक पहुंच गया है। आकंड़ों से पता चलता है कि खाद्य तेल और डेयरी

उत्पादों की कीमतों में हर महीने इजाफा हो रहा है।

जेब पर बोझ बढ़ेगा- सब्जियों की कीमतो में जरूर उतार-चढ़ाव देखने को मिला है, जिस कारण बीते कुछ महीनों के दौरान खुदरा महंगाई में गिरावट देखने को मिली। औसत खाद्य सूचकांक की तुलना में खाद्य तेल और डेयरी उत्पादों की कीमतों में कहीं ज्यादा बढ़ोतरी से साफ है कि लोगों की जेब पर बोझ बढ़ रहा है, जो भविष्य के लिहाज से भी चिंताजनक है।

इन सब्जियों में नरमी नहीं

थाली में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली सब्जियों की कीमतों में फसली सीजन में भी बड़ी कमी नहीं आई है। आलू, प्याज और टमाटर की कीमतें मार्च 2023 की तुलना में करीब दो गुना अधिक रही हैं। जबकि मार्च 2024 की तुलना में देखा जाए तब भी कीमतों में तेजी देखने को मिली है। दो वर्ष पहले मार्च के महीने में टमाटर का औसत मूल्य 10 रुपये प्रतिकिलोग्राम के आसपास था लेकिन इस बार औसत मूल्य 19.2 रुपये के आसपास रहा है।

टाटा की कंपनी ने दिया एचसीसी को बड़ा ऑर्डर, 24 शेयर की कीमत

नईदिल्ली, एजेंसी। बाजार में तूफानी तेजी के बीच कुछ कंपनियों के शेयर बिकवाली मोड में नजर आए। ऐसा ही शेयर- हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी (एचसीसी) का है। सप्ताह के चौथे दिन गुरुवार को इस कंपनी के शेयर 2.23 प्रतिशत टूटकर 24.60 रुपये पर बंद हुए। शेयर में सुस्ती के बीच कंपनी को लेकर एक बड़ी खबर आई है। शेयर के 52 हफ्ते का लो 21.98 रुपये है। शेयर को यह भाव मार्च 2025 में था। जुलाई 2024 में यह शेयर 57.46 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है।

टाटा पावर से मिला ठेका- दरअसल, हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी और टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने 50:50 के ज्वाइंट वेंचर के तहत महाराष्ट्र में 2470 करोड़ रुपये की पंप भंडारण परियोजना का ठेका हासिल किया है। हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि इस परियोजना का ठेका टाटा पावर कंपनी से मिला है। 2,470 करोड़ रुपये का यह ऑर्डर महाराष्ट्र के कर्जत में स्थित 1,000 मेगावाट क्षमता की भीवपुरी ऑफ-स्ट्रीम ओपन लूप पंप भंडारण परियोजना (पीएसपी) के निर्माण के लिए है। ज्वाइंट वेंचर को परियोजना को पूरा करने के लिए आवश्यक निर्माण कार्य और अन्य सब्सिडरी कार्य करने होंगे।

जनवरी में ईपीएफओ से जुड़े 17.89 लाख सदस्य

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ से जनवरी में शुद्ध रूप से 17.89 लाख सदस्य जुड़े हैं। गुरुवार को ईपीएफओ की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक सालाना आधार पर जनवरी में कुल सदस्यों की संख्या में 11.48 फीसदी वृद्धि हुई है। जुड़ने वाले कुल सदस्यों में से 8.23 लाख पहली बार ईपीएफओ के सदस्य बने हैं। इनकी संख्या में भी जनवरी 2024 के मुकाबले बीते महीने 1.87 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

18-25 वर्ष के कर्मचारियों की संख्या में भी भारी वृद्धि- आंकड़ों से पता चला है कि 18-25 वर्ष की आयु वर्ग के कर्मचारियों की संख्या में भी भारी वृद्धि हुई है, यानी पहली बार नौकरी पाने वाले सदस्यों की संख्या काफी अधिक रही है। जनवरी में 4.70 लाख युवा पहली बार नौकरी में आए, जिनकी संख्या में 57.07 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। 18-25 आयु वर्ग के बीच शुद्ध पेरोल को जोड़ा जाए तो यह संख्या 7.27 लाख है, जो दिसंबर 2024 की तुलना में 6.19 फीसदी और जनवरी 2024 की तुलना में 8.15 फीसदी अधिक है।

2.17 लाख महिलाएं भी बनी सदस्य- जनवरी में 2.17 लाख महिलाओं ने भी नौकरी शुरू की है, जो ईपीएफओ से जुड़ी हैं।

नेट पेरोल क्या है

नेट पेरोल में उन कर्मचारियों को भी शामिल किया जाता है, जिन्होंने एक बार नौकरी शुरू की और बाद में नौकरी छोड़कर कुछ समय के बाद या बदलकर नई नौकरी शुरू की गई। एक्सपोर्ट सर्विस, रोड मोटर्स व ट्रांसपोर्ट, बीड़ी निर्माण, निर्माण और फल-सब्जी प्रसंस्करण से जुड़े उद्योगों में सबसे ज्यादा लोगों को रोजगार दिया है।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

300 रुपये गिरकर 91650 प्रति 10 ग्राम रहा पीली धातु का भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट के बीच लगातार तीन दिन से तेजी पकड़ रही सोने-चांदी की कीमतों में कमी आई। गुरुवार को सोने का भाव 300 रुपये गिरकर 91,650 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने बताया कि बुधवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 91950 रुपये था। 700 रुपये की तेजी के साथ सोने का भाव अपने सर्वकालिक स्तर पर पहुंच गया था। 99.5 प्रतिशत सोना भी गुरुवार को 300 रुपये की गिरावट के साथ 91,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। जोकि बुधवार को 91,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

चांदी कीमतों में भी गिरावट- चांदी की कीमत भी गुरुवार को 1500 रुपये गिरावट के साथ 1, 02,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। बुधवार को चांदी की कीमत 1,03,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वहीं वैश्विक बाजारों में गुरुवार को हाजिर सोना 0.47

फीसदी की गिरावट के साथ 3,033.35 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। वहीं अप्रैल डिलीवरी के लिए कॉमेक्स सोने का वायदा भाव 0.11 फीसदी फिसलकर 3,038 डॉलर प्रति औंस हो गया। पिछले दिनों में इसने 3,065.09 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर को छुआ। इसके अलावा कॉमेक्स गोल्ड वायदा रिकॉर्ड 3,065.2 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। पिछले तीन दिन में सोना 2,500 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़कर अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। जबकि चांदी 2,300 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़कर अपने नए शिखर पर पहुंच गई थी।

कोटक सिक्योरिटीज ने कहा कि कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब स्थिर हैं क्योंकि यह भू-राजनीतिक तनावों के बीच मजबूत सुरक्षित-हेवन मांग द्वारा समर्थित है। वैश्विक व्यापार विवादों पर लगातार चिंताओं ने बाजार में अस्थिरता में योगदान दिया है। अबान्स फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी चिंतन मेहता ने बताया कि बाजार प्रतिभागी श्रम बाजार की ताकत का आकलन करने के लिए गुरुवार को बाद में जारी होने वाले अमेरिकी साप्ताहिक बेरोजगारी दावों पर बारीकी से नजर रखेंगे। निवेशक वाशिंगटन में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल की प्रेस कॉन्फ्रेंस से भी जानकारी लेंगे, यह देखने के लिए कि नीति निर्माता ट्रंप की नीतियों को कैसे ध्यान में रख रहे हैं और आर्थिक स्थिति खराब होने पर वे कैसे प्रतिक्रिया दे सकते हैं।

पहले बिड़ला, अब अडानी...

सीमेंट के बाद एक और सेक्टर में होगा आमना-सामना

नईदिल्ली, एजेंसी। सीमेंट सेक्टर के बाद केबल एंड वायर के कारोबार में भी दो बड़े कारोबारी समूह की भिड़ंत होने वाली है। ये दो कारोबारी अडानी और आदित्य बिड़ला समूह हैं। इन दोनों कारोबारी समूह ने केबल एंड वायर समूह में एंट्री का ऐलान किया है। बीते दिनों आदित्य बिड़ला समूह के बाद अब अडानी समूह ने इस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए संयुक्त उद्यम शुरू किया है।

क्या है कंपनी का नाम

दरअसल, अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी कच्छ कॉपर लिमिटेड (केसीएल) ने प्रणीता वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी में प्रणीता इकोकेबल्स लिमिटेड (पीईएल) नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी बनाई है। प्रणीता इकोकेबल्स मेटल उत्पादों, केबल और वायर के निर्माण, विपणन, वितरण, खरीद और बिक्री पर ध्यान केंद्रित करेगी। यह कंपनी अहमदाबाद, भारत में रजिस्टर्ड है और अभी तक इसका व्यवसाय संचालन शुरू नहीं हुआ

है। इससे पहले अडानी समूह ने सीमेंट और कॉपर कारोबार में प्रवेश किया था, जिसमें बिड़ला समूह अग्रणी है।

अल्ट्राटेक सीमेंट की एंट्री- पिछले महीने, आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट ने भी इस क्षेत्र में एंट्री का ऐलान किया था। इस कंपनी ने अगले दो वर्षों में 1,800 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई है। बता दें कि अल्ट्राटेक सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है। वहीं, सीमेंट कारोबार में अडानी समूह का भी दबदबा है। अडानी समूह की सीमेंट कंपनियां- अंबुजा सीमेंट्स, सांघी, एसीसी हैं।

इन कंपनियों की बढ़ेगी टेंशन- जानकार मानते हैं कि असंगठित और छोटे कारोबारियों के वर्चस्व वाले क्षेत्र में दो बड़ी कंपनियों के अचानक प्रवेश से उथल-पुथल मच सकती है। इस उद्योग में लगभग 400 कंपनियां हैं, जिनमें एसएमई से लेकर बड़े उद्यम शामिल हैं। इनका राजस्व 500 मिलियन रुपये से 4 बिलियन रुपये के बीच है।

भारी डिमांड वाला है सेक्टर

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के रिसर्च हेड, वेल्थ मैनेजमेंट, सिद्धार्थ खेमका के अनुसार मजबूत घरेलू मांग और वैश्विक अवसरों के विस्तार के कारण केबल एंड वायर सेक्टर लगातार फल-फूल रहा है। इस तरह के उत्पादों की घरेलू मांग मजबूत बनी हुई है, जिसे तेजी से विद्युतीकरण, इंफ्रा डेवलपमेंट के अलावा पावर ट्रांसमिशन और डिस्ट्रिब्यूशन (टी एंड डी), रियल एस्टेट और परिवहन जैसे क्षेत्रों में वृद्धि से बढ़ावा मिला है। इस मांग से वित्त वर्ष 24 से वित्त वर्ष 27 तक घरेलू बाजार में 11-13त्न सीएजीआर बढ़ने का अनुमान है।

हिंडाल्को के बड़े निवेश का ऐलान

इस बीच, आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमारमंगलम बिड़ला ने कहा कि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज भविष्य में अपने एल्युमीनियम, तांबा और विशिष्ट एल्युमिना कारोबार में 45,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। उन्होंने इस निवेश की कोई समयसीमा न बताते हुए कहा कि एल्युमिनियम, तांबा और एल्युमिना सौर मॉड्यूल और बैटरी भंडारण के अभिन्न अंग हैं।

उन्होंने कहा कि कंपनी अपनी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में 150 मेगावाट जोड़कर कुल उत्पादन क्षमता को 350 मेगावाट तक ले जा रही है। बिड़ला ने कहा कि कंपनी बिजलीचालित परिवहन, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, सेमीकंडक्टर और उच्च क्षमता के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद सहित विभिन्न क्षेत्रों में समाधानों पर काम कर रही है।

घर पर हमेशा हंसते हुए लाफिंग बुद्धा क्यों रखे जाते हैं?

लाफिंग बुद्धा को फेंगशुई परंपराओं में खुशी, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। उनका सदैव मुस्कुराता हुआ चेहरा सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और उनकी प्रसन्न मुद्रा घर एवं कार्यस्थल में शुभता लाने का संकेत देती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि लाफिंग बुद्धा हमेशा हंसता हुआ क्यों रखना चाहिए? क्यों हैं?

उनकी हंसी केवल एक भाव नहीं हैं, बल्कि गहरी आध्यात्मिक और दार्शनिक प्रतीकात्मकता रखती है। उनकी मुस्कान संतोष और आंतरिक शांति का प्रतीक है, जो यह दिखाती है कि सच्चा आनंद भौतिक सुखों पर निर्भर नहीं होता, बल्कि आत्मिक संतुष्टि में निहित होता है। फेंगशुई के अनुसार, उनका हंसमुख चेहरा नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता और सौभाग्य को आमंत्रित करता है। इसके अलावा, मान्यता है कि उनके पेट से सौभाग्य और समृद्धि प्राप्त होती है। इस तरह लाफिंग बुद्धा न केवल खुशी का प्रतीक माना जाता है, बल्कि हमें जीवन को हल्केपन और प्रसन्नता से जीने की प्रेरणा भी देते हैं। यही नहीं लाफिंग बुद्धा को घर की सही दिशा में रखने से जीवन में सदैव समृद्धि बनी रहती है।

लाफिंग बुद्धा का इतिहास

लाफिंग बुद्धा का इतिहास एक चीनी बौद्ध भिक्षु बुदाई से जुड़ा है जो 10वीं शताब्दी में लियांग वंश के दौरान प्रसिद्ध हुए। बुदाई अपनी अनोखी जीवनशैली, दयालुता और सदा मुस्कुराते रहने के स्वभाव के कारण लोगों के बीच सम्मानित थे। उनकी हंसी और हंसमुख व्यक्तित्व ने उन्हें एक विशेष पहचान दिलाई। बुदाई हमेशा एक बड़े कपड़े के थैले के साथ चलते थे, जिसमें वे भोजन और उपहार रखते थे। वे इसे जरूरतमंदों में बांटते थे, जिससे वे उदारता और परोपकार के प्रतीक बन गए। उनका यह व्यवहार आत्मिक संतोष और त्याग का संदेश देता था। समय के साथ, उनकी छवि सिर्फ एक साधारण भिक्षु तक सीमित नहीं रही, बल्कि आनंद, समृद्धि और ज्ञान के प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी। आज, लाफिंग बुद्धा की मूर्तियों को सकारात्मक ऊर्जा, खुशहाली और सौभाग्य के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। उनकी छवि यह सिखाती है कि जीवन में सच्चा आनंद केवल भौतिक सुखों में नहीं, बल्कि संतोष, करुणा और दूसरों की भलाई में निहित होता है।

लाफिंग बुद्धा हमेशा हंसते क्यों रहते हैं?

लाफिंग बुद्धा की मुस्कान केवल खुशी का प्रतीक नहीं है, बल्कि इसमें गहरी आध्यात्मिक और दार्शनिक मान्यताएं छिपी हुई हैं। लाफिंग बुद्धा को आंतरिक शांति और संतोष का प्रतिनिधित्व करते हुए देखा जाता है। उनकी हंसी पूर्ण आत्मसंतोष को दर्शाती है, जो भौतिक इच्छाओं और चिंताओं से मुक्त होती है। फेंगशुई सिद्धांतों के अनुसार, लाफिंग बुद्धा की उपस्थिति नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है और घर व कार्यस्थल में सकारात्मकता का संचार करती है।

उनकी मुस्कान इस बात की याद दिलाती है कि सच्ची खुशी बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि यह हमारे दृष्टिकोण पर निर्भर करती है। हंसी और आनंद को ज्ञान प्राप्ति का एक आवश्यक तत्व माना गया है। लाफिंग बुद्धा की हमेशा प्रसन्न मुद्रा इस बात को दिखाती है कि वास्तविक आनंद बाहरी भोगों में नहीं, बल्कि मानसिक शांति में होता है।

घर पर लाफिंग बुद्धा रखने का महत्व

फेंगशुई के अनुसार, लाफिंग बुद्धा का सही स्थान पर रखना सकारात्मक ऊर्जा और सौभाग्य को आकर्षित कर सकता है। घर पर लाफिंग बुद्धा रखने के कई फायदे हैं। फेंगशुई के अनुसार, घर में लाफिंग बुद्धा को सही दिशा में रखने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और सौभाग्य आकर्षित होता है। यह न केवल आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देता है, बल्कि मानसिक शांति और पारिवारिक सौहार्द भी बनाए रखता है। लाफिंग बुद्धा की मुस्कुराती हुई मूर्ति घर के माहौल को हल्का और आनंदमय बनाती है, जिससे नकारात्मकता दूर होती है और सुख-समृद्धि बनी रहती है।

मान्यता है कि लाफिंग बुद्धा का स्थान जितना उपयुक्त होगा, उतना ही अधिक प्रभावशाली होगा। उदाहरण के लिए, इसे घर के मुख्य दरवाजे के पास रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है और नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव कम होता है। वहीं, इसे ड्राइंग रूम या कार्यस्थल में रखने से सफलता और उन्नति के मार्ग खुलते हैं।

इसके अलावा, लाफिंग बुद्धा का हंसमुख स्वरूप हमें जीवन को प्रसन्नता और संतोष के साथ जीने की प्रेरणा देता है। यह मूर्ति केवल सौभाग्य का प्रतीक नहीं, बल्कि आंतरिक शांति और आत्मिक संतोष की ओर भी संकेत करती है, जिससे जीवन अधिक सुखद और संतुलित बनता है।

घर की किस दिशा में रखें लाफिंग बुद्धा

घर या कार्यालय के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में लाफिंग बुद्धा की मूर्ति रखने से आपको आर्थिक सफलता मिल सकती है। यदि आप घर के लिविंग रूम में लाफिंग बुद्धा रखते हैं तो आपके परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। कार्यस्थल या ऑफिस डेस्क पर इसे रखने से करियर में उन्नति होती है और बाधाएं दूर होती हैं।

अलग लाफिंग बुद्धा का अलग है महत्व

यदि आप घर पर लाफिंग बुद्धा थैला लिए हुए हुए रखते हैं तो वो यात्रा, धन संग्रह और चिंताओं को दूर करने का प्रतीक माने जाते हैं। कटोरा लिए हुए लाफिंग बुद्धा हमेशा भौतिकवाद से मुक्ति और आध्यात्मिक मार्ग का संकेत होते हैं। सोने के सिक्कों के साथ लाफिंग बुद्धा आर्थिक समृद्धि और धन प्राप्ति का प्रतीक माने जाते हैं। बच्चों के साथ लाफिंग बुद्धा पारिवारिक सुख और संतान सुख का प्रतीक माने जाते हैं। हाथ में पंखा लिए लाफिंग बुद्धा नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और सौभाग्य लाने का प्रतीक मानी जाती है। कछुए पर बैठे लाफिंग बुद्धा करियर में सफलता और स्थिरता प्राप्ति का संकेत देता है।

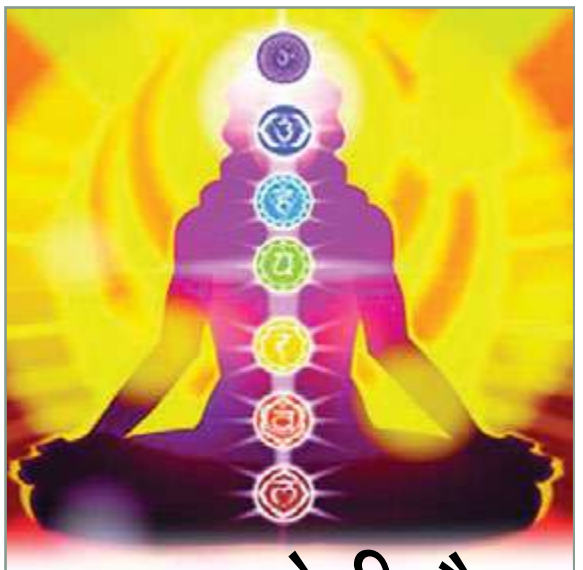

क्या होती है छठी इंद्री

छठी इंद्री को अंग्रेजी में सिक्स्थ सेंस कहते हैं। यह क्या होती है, कहां होती है और कैसे इसे जाग्रत किया जा सकता है यह जानना भी जरूरी है। इसे जाग्रत करने के लिए वेद, उपनिषद, योग आदि हिन्दू ग्रंथों में अनेक उपाय बताए गए हैं। नास्त्रेदमस इसी तरह के उपायों से भविष्यवक्ता बने थे।

- मस्तिष्क के भीतर कपाल के नीचे एक छिद्र है, उसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं, वहीं से सुषुम्ना नाड़ी सहस्त्रकार के जुड़कर रीढ़ से होती हुई मूलाधार तक गई है। इसी नाड़ी के बायीं ओर इड़ा और दायीं ओर पिंगला नाड़ी स्थित है। दोनों के बीच सुप्तावस्था में छठी इंद्री स्थित है।
- यह छठी इंद्री ही हमें हर वक्त आने वाले खतरे या भविष्य में होने वाली घटनाओं का आभास करती रहती है लेकिन कुछ लोग इसे स्पष्ट समझ लेते हैं और कुछ नहीं। यदि आप इसे समझें तो आपके साथ घटने वाली घटनाओं के प्रति ये इंद्री आपको सजग कर देगी।
- छठी इंद्री जाग्रत होने से व्यक्ति में भूत और भविष्य में झांकने की क्षमता आ जाती है। ऐसा व्यक्ति मीलों दूर बैठे व्यक्ति की बातें सुन सकता और उसे देख भी सकता है। दूसरों के मन की बात जान ही नहीं सकता बल्की उनका मन बदल भी सकता है और दूसरों की बीमारी दूर की जा सकती है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार छठी इंद्री कल्पना नहीं, वास्तविकता है, जो हमें किसी घटित होने वाली घटना का पूर्वाभास कराती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के रॉन रेसिक के अनुसार छठी इंद्रिय के कारण ही हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं का पूर्वाभास होता है।
- छठी इंद्री को जाग्रत करने का बहुत ही सरल तरीका है। तीन माह के लिए खुद को परिवार और दुनिया से काटकर आपको योग की शरण में जाना होगा। यम, नियम, प्राणायम और योगासन करते हुए लगातार ध्यान करना होगा।
- प्राणायाम सबसे उत्तम उपाय इसलिए माना जाता है क्योंकि हमारी दोनों भौहों के बीच छठी इंद्री होती है। सुषुम्ना नाड़ी के जाग्रत होने से ही छठी इंद्री जाग्रत हो जाती है। प्राणायम के माध्यम से छठी इंद्री को जाग्रत किया जा सकता है।
- मेस्मेरिज्म या हिप्नोटिज्म जैसी अनेक विद्याएं इस छठी इंद्री को जाग्रत करने का सरल और शॉर्टकट रास्ता है लेकिन इसके खतरे भी हैं। हिप्नोटिज्म को सम्मोहन कहते हैं। सम्मोहन विद्या को ही प्राचीन समय से 'प्राण विद्या' या 'त्रिकालविद्या' के नाम से पुकारा जाता रहा है।
- मन के कई स्तर होते हैं। उनमें से एक है सुक्ष्म शरीर से जुड़ा हुआ आदिम आत्म चेतन मन। यह मन हमें आने वाले रोग या खतरें का संकेत देकर उससे बचने के तरीके भी बताता है। इस मन को प्राणायाम या सम्मोहन से साधा जा सकता है।
- त्राटक क्रिया से भी इस छठी इंद्री को जाग्रत कर सकते हैं। आप बिना पलक गिराए किसी एक बिंदु, क्रिस्टल बॉल, मोमबत्ती या घी के दीपक की ज्योति पर देखते रहिए। इसके बाद आंखें बंद कर ध्यान करें। कुछ समय तक इसका अभ्यास करें। इससे धीरे-धीरे छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी।
- ऐसा कई बार देखा गया है कि कई लोगों ने अंतिम समय में अपनी बस, ट्रेन अथवा हवाई यात्रा को कैंसिल कर दिया और वे चमत्कारिक रूप से किसी दुर्घटना का शिकार होने से बच गए। बस यही छठी इंद्री का कमाल है। आप इसे पहचानें क्योंकि यह सभी संवेदनशील लोगों के भीतर होती है।
- यदि आपको यह आभास होता है कि पीछे कोई चल रहा है या दरवाजे पर कोई खड़ा है। कुछ होनी-अनहोनी होने वाली है या कोई खुशी का समाचार मिलने वाला है तो आप अपनी इस क्षमता पर लगातार गौर करें और ध्यान देंगे तो यह विकसित होने लगेगी। जैसे-जैसे अभ्यास गहराएगा आपकी छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी और आप भविष्यवक्ता बन जाएंगे।

अब और रोमांचक होगा इंडिया का त्योहार

आईपीएल में पहली बार क्या-क्या दिखेगा?

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग जिसे इंडिया का त्योहार भी कहा जाता है, इसके 18वें सीजन की शुरुआत 22 मार्च से होने जा रही है. आईपीएल का ये सीजन अभी तक का सबसे खास सीजन होने वाला है. आईपीएल 2025 से पहले बीसीसीआई ने कई बड़े फैसले लिए हैं, जिससे ये लीग और रोमांचक हो गई है. इस बार आईपीएल में कुल 3 नए नियम देखने को मिलेंगे, जिसका इस्तेमाल इस लीग में कभी नहीं किया गया था. वहीं, 2 खिलाड़ी बतौर कप्तान पहली बार खेलते हुए नजर आएंगे. आईपीएल 2025 में खिलाड़ियों की कमाई में बंपर फायदा देखने को मिलेगा. दरअसल, अभी तक खिलाड़ियों को ऑक्शन में लगी बोली का ही पैसा मिलता था. लेकिन इस बार ये खिलाड़ियों को मैच फीस भी दी जाएगी. टीम शीट में शामिल 12 खिलाड़ियों को हर मैच 7.5 लाख रुपए दिए जाएंगे. हालांकि जो खिलाड़ी मैच का हिस्सा नहीं होंगे, उन्हें मैच फीस नहीं मिलेगी. इस नियम से सबसे ज्यादा फायदा उन खिलाड़ियों को मिलेगा, जो ऑक्शन में 30 लाख या 50 लाख रुपए में खरीदे गए थे.

वाइड के लिए बॉल ट्रैकिंग का इस्तेमाल

अब टीमें ऊंचाई और ऑफ साइड वाइड के लिए डीआरएस का इस्तेमाल कर सकेंगी. ऑफ-स्टंप के बाहर की वाइड और ऊंचाई वाली वाइड पर फैसला करने के लिए हॉक आई और बॉल ट्रैकिंग की मदद ली जाएगी. आईपीएल 2024 में ओवर द वेस्ट और नौ बॉल को मापने के लिए जिस तकनीक का इस्तेमाल किया गया था, वही तकनीक ओवर द हेड वाइड और ऑफ साइड वाइड के मामले में भी लागू की जाएगी.

3 गेंदों से पूरा करवाया जाएगा एक मैच

आईपीएल 2025 के डे-नाइट मैचों में 3 गेंदों का इस्तेमाल किया जाएगा. जिसके तहत पहली पारी में एक गेंद का इस्तेमाल होगा. वहीं, दूसरी पारी में दो गेंदों का इस्तेमाल किया जा सकेगा. दरअसल, ओस के प्रभाव को कम करने के लिए नियम के मुताबिक मैच की दूसरी पारी में 11वें ओवर के बाद एक नई गेंद का इस्तेमाल किया जाएगा. इसके अलावा आईपीएल 2025 में गेंदबाज सलाइवा का इस्तेमाल कर सकेंगे. सलाइवा का इस्तेमाल कोविड-19 के बाद से बैन था.

पहली बार कप्तानी करेंगे ये दो खिलाड़ी

आईपीएल 2025 के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रजत पाटीदार को अपनी टीम का कप्तान बनाया है. बता दें रजत पाटीदार पहली बार इस लीग में कप्तानी करते हुए नजर आएंगे. वहीं, राजस्थान की टीम ने रियान पराग को शुरुआती 3 मैचों के लिए टीम की कमान सौंपी है. वह भी पहली बार इस लीग में कप्तानी करते हुए नजर आएंगे.

कोहली के गिफ्ट का कमाल

युवा क्रिकेटर ने माना- इसे पहनकर कमाल हो गया

मेलबर्न, एजेंसी। युवा भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने हाल ही में एक चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) 2024-25 के मेलबर्न टेस्ट में उनके ऐतिहासिक शतक में उनके आदर्श विराट कोहली के जूतों की अहम भूमिका रही। नीतीश ने कहा कि मैंने उस शतक के दौरान विराट भाई के जूते पहने थे। जब उन्होंने मुझसे मेरे जूते का साइज पूछा, तो मैंने सही अनुमान लगाया और उनके जूते पहन लिए। मैंने मैच के दौरान इसे पहना था। कमाल हो गया और मैं शतक लगाने में कामयाब रहा। नीतीश का यह पहला टेस्ट शतक था जोकि भारत के लिए मुश्किल हालात में आया।

इसके बाद नीतीश की प्रतिभा भी दुनिया के सामने आई। नीतीश ने आगे कहा कि कोहली जैसे दिग्गज के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना और उनके जूतों में शतक जड़ना उनके लिए सपने जैसा था। यह खबर क्रिकेट प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बन गई है, जो नीतीश की सादगी और कोहली के प्रभाव को दर्शाती है। नीतीश ने पिछले सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अपनी टीम के आईपीएल फाइनल में पहुंचने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 303 रन बनाए और तीन विकेट लिए। एक बेहतरीन ऑलराउंडर बनने के लिए दृढ़ संकल्पित नीतीश ने बांग्लादेश के खिलाफ अपने डेब्यू मैच से पहले हार्दिक पांड्या से भी सलाह ली थी। नीतीश ने खुलासा किया कि ड्रेसिंग रूम में सभी ने आकर मुझे बधाई दी, लेकिन मैं सिर्फ़ एक व्यक्ति की तलाश में था - उम्मीद कर रहा था कि वह आकर मुझसे बात करेगा।

राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए भारत ने लगाई बोली

2010 में आखिरी बार हुआ था देश में आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए बोली पेश की है। खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया कि खेलों की मेजबानी में दिलचस्पी दिखाने से संबंधित दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च थी।

आईओए और गुजरात ने लगाई बोली

सूत्र ने बताया कि भारतीय ओलंपिक संघ ने मेजबानी के लिए जरूरी दस्तावेज कुछ दिन पहले भेजे हैं। सूत्र ने कहा- हां, यह सच है, भारत की बोली आईओए और गुजरात राज्य द्वारा प्रस्तुत की गई है। बता दें कि, अगर भारत की बोली स्वीकार कर ली जाती है और देश को मेजबानी मिलती है तो इसका आयोजन गुजरात के अहमदाबाद में होगा।

हाल ही में खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा था कि देश खेलों की मेजबानी करने में रुचि रखता है। भारत ने अंतिम बार 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी और देश का लक्ष्य 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने का भी है।

न्यूजीलैंड-पाकिस्तानः

पाकिस्तान ने 16 ओवर में हासिल किया 205 रन का लक्ष्य

नवाज ने ठोका तूफानी शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। हसन नवाज के तूफानी शतक (44 गेंदें) की बदौलत पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में 16 ओवर में 207 रन बनाते हुए 9 विकेट से धमाकेदार जीत दर्ज की। नवाज के अलावा कप्तान सलमान आगा ने अर्धशतक लगाया और इस जीत में अपना योगदान दिया। इस जीत के साथ पाकिस्तान की सीरीज जीतने की संभावनाए एक बार फिर जाग उठी हैं। सीरीज में न्यूजीलैंड 2-1 से आगे है और दो मैच बाकी हैं। न्यूजीलैंड से मिले 205 रन के लक्ष्य के जवाब में पाकिस्तान ने शानदार शुरूआत करते हुए पहले और एक मात्र विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी की। मोहम्मद हारिस और नवाज के बीच 74 रन की साझेदारी 5.5 ओवर में टूटी जब जैकब डफी की गेंद पर हारिस मिशेल हे के हाथों कैच आउट हुए। हारिस ने 20 गेंदों पर 4 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 41 रन बनाए।

इस आउट के बावजूद पाकिस्तान ने आक्रामक रूख अपनाया और नवाज तथा आगा पाकिस्तान को जीत दिलाकर वापस लौटे। नवाज ने 45 गेंदों पर 10 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 105 रन बनाए जबकि आगा ने 31 गेंदों पर 6 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 51 रन ठोके।

इससे पहले पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आग ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में फिन ऐलन (शून्य) का विकेट गवां दिये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये माक चैपमैन ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की शुरुआत की। उन्होंने टिम साइफर के साथ दूसरे विकेट के लिए 40 रनों की साझेदारी की।

वर्ल्ड-क्लास भारतीय अंपायर अनिल चौधरी हुए रिटायर, आईपीएल 2025 में इस नए रोल में कर सकते हैं डेब्यू आईपीएल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के बेहद लोकप्रिय अंपायर अनिल चौधरी ने इंटरनेशनल और आईपीएल में अंपायरिंग से रिटायरमेंट ले ली है. इस घोषणा के बाद चौधरी आईपीएल 2025 में अंपायरिंग करते नहीं दिखेंगे. उन्होंने बीसीसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त किसी आखिरी मैच में अंपायरिंग रणजी ट्रॉफी के फाइनल मैच के दौरान की थी. उस भिड़ंत में विदर्भ ने केरल को हराकर रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता था.

हाल ही में यह भी खुलासा हुआ कि चौधरी इस बार कमेंटेटर के तौर पर अपना आईपीएल डेब्यू करने वाले हैं. वहीं बतौर अंपायर उनका आखिरी इंटरनेशनल मैच भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया ओड़ीआई मैच रहा, जो 27 सितंबर 2023 को खेला गया था. उस मैच में कंगारू टीम 66 रनों से विजयी रही थी. उनकी उम्र 60 वर्ष हो चुकी है, यही उनकी रिटायरमेंट का कारण भी है. एक मीडिया रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि अब उन्होंने अंपायरिंग करियर को अलविदा कहने का निर्णय ले लिया है, लेकिन अगले सीजन से कमेंट्री करते हुए नजर आएंगे.

गर्मियों में पानी की नहीं होगी किल्लत

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में इस साल गर्मी के प्रचंड महीनों के दौरान लोगों को पीने के पानी की दिक्कत नहीं होगी। निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने ग्रीष्मकालीन कार्य योजना के तहत एक नई पहल शुरू की है, जिसके तहत दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अधिकारियों के साथ अनिवार्य तौर पर साप्ताहिक समीक्षा बैठकें की जाएंगी। दिल्ली जल मंत्रालय के एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि ये बैठकें जल वितरण को सुव्यवस्थित करने, अवैध कनेक्शनों पर अंकुश लगाने और निगरानी प्रणालियों को बेहतर बनाने पर केंद्रित होंगी। पहली समीक्षा बैठक के दौरान गुरुवार को अधिकारियों को पानी के रिसाव को रोकने, सीवर की रुकावटों को दूर करने और वितरण में दक्षता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। मंत्री वर्मा ने कनेक्शन दरों में संशोधन करके पानी के कनेक्शन को वैध बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि लोगों के लिए उन्हें अधिक सुलभ बनाया जा सके। वर्मा ने कहा, फिलहाल, पानी के कनेक्शन की ऊंची दरें लोगों को वैध कनेक्शन लेने से हतोत्साहित करती हैं। हम दरों

में संशोधन करेंगे और लोगों के लिए वैध कनेक्शन प्राप्त करने की समयसीमा तय करेंगे। समयसीमा के बाद, अनुपालन न करने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा।

पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, मंत्री ने घोषणा की कि जीपीएस-फिटेड पानी के टैंकरों के लिए एक नया टेंडर जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा, वर्तमान में, पानी के टैंकरों द्वारा की गई ट्रैवल का कोई उचित रिकॉर्ड नहीं है। अब हर टैंकर में जीपीएस लगाया जाएगा और सप्लाई पॉइंट्स की एक उचित सूची बनाई जाएगी। सरकार ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए टैंकर ट्रिप की संख्या बढ़ाकर रोजाना 16 करने का भी फैसला किया है।

इसके अलावा, वर्मा ने राजस्व का अनुमान लगाने और नुकसान को कम करने के लिए भूमिगत जलाशयों (यूजीआर) से पानी के आउटफ्लो की निगरानी के महत्व पर जोर दिया। एक बयान में कहा गया कि सरकार ने आश्वासन दिया है कि जल आपूर्ति और सीवर प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे। आने वाले हफ्तों में इसमें सुधार दिखाई देने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि जल वितरण की निगरानी और शिकायतों का कुशलतापूर्वक समाधान करने के लिए एक विशेष निगरानी प्रणाली भी विकसित की जा रही है।

दिल्ली में वाटर कनेक्शन का घटेगा चार्ज, टैंकरों के फेरे बढ़ेंगे; गर्मी में पानी की किल्लत दूर करने को नई पहल

नईदिल्ली, एजेंसी। इस बार गर्मियों में लोगों को पानी की दिक्कत न हो, इसके लिए दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने एक नई पहल शुरू की है। वर्मा ने दरों में संशोधन करके पानी के कनेक्शन को वैध बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को कई निर्देश भी दिए हैं। गर्मी के महीनों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने एक नई पहल शुरू की है। इसके तहत दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठकें अनिवार्य की गई हैं। दिल्ली जल मंत्रालय के एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि ये बैठकें जल वितरण को व्यवस्थित करने, अवैध कनेक्शनों पर अंकुश लगाने और निगरानी प्रणालियों को बेहतर बनाने पर केंद्रित होंगी। इससे पहले दिन में पहले आयोजित पहली समीक्षा बैठक में मंत्री प्रवेश वर्मा ने अधिकारियों को पानी के रिसाव को रोकने, सीवर की रुकावटों को दूर करने और वितरण में दक्षता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। मंत्री वर्मा ने कनेक्शन दरों में संशोधन करके पानी के कनेक्शन को वैध बनाने पर भी जोर दिया, ताकि लोगों के लिए उन्हें अधिक सुलभ बनाया जा सके। वर्मा ने कहा कि पानी के कनेक्शन की ज्यादा लागत लोगों को वैध कनेक्शन लेने से रोकती हैं। हम दरों में संशोधन करेंगे और लोगों के लिए वैध कनेक्शन लेने की समयसीमा तय करेंगे।

मंत्री ने घोषणा की कि जीपीएस लगे पानी के टैंकरों के लिए एक नया टेंडर जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पानी के टैंकरों के आवागमन का कोई उचित रिकॉर्ड नहीं है। अब हर टैंकर में जीपीएस लगाया जाएगा और आपूर्ति वाली जगहों की सूची रखी जाएगी। सरकार ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए टैंकर ट्रिप की संख्या बढ़ाकर रोजाना 16 करने का फैसला किया है। इसके अलावा वर्मा ने राजस्व का अनुमान लगाने और नुकसान को कम करने के लिए भूमिगत जलाशयों (यूजीआर) से जल प्रवाह की निगरानी के महत्व पर बल दिया। वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार जन कल्याण को प्राथमिकता देती है। समर एक्शन प्लान के तहत साप्ताहिक बैठकों के माध्यम से हम हर नागरिक को निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दिल्ली में सूर्यदेव के तेवर होंगे और तल्ख; चिलचिलाती धूप संग पारा और चढ़ने के आसार

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के तापमान में आज से और बढ़ोतरी होने की संभावना है। गुरुवार को भी दिल्ली के रिज इलाके में सबसे अधिक 35 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि न्यूनतम तापमान में कमी दर्ज की गई। राजधानी के कई जगहों पर अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। सफदरजंग के अलावा लोधी रोड, आया नगर, नजफगढ़, पीतमपुरा में भी तापमान में बढोतरी दर्ज की गई। मौसम विभाग ने शुक्रवार से मंगलवार के बीच तापमान में बढोतरी की संभावना जताई है। आसमान साफ रहने के कारण तापमान में बढ़ोतरी की संभावना है। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तरी पश्चिमी हवा की गति भी बहुत अधिक नहीं रहेगी। अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस से 37 डिग्री सेल्सियस हो सकता

है। अधिकतम तापमान 33.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, यह सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस अधिक था। न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। दिल्ली में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 151 रहा, जबकि शाम 4 बजे यह 156 दर्ज किया गया जो मध्यम श्रेणी में आता है।

मतदाता सूची को अपडेट करने की प्रक्रिया मजबूत की जाएगी, चुनाव आयोग ने लिए अहम फैसले

नईदिल्ली, एजेंसी। मतदाता सूचियों की शुद्धता पर जारी बहस के बीच चुनाव आयोग ने गुरुवार को कहा कि मतदाता सूची को नियमित रूप से अपडेट करने की प्रक्रिया को जन्म-मृत्यु पंजीकरण अधिकारियों के साथ करीबी समन्वय से मजबूत बनाया जाएगा।

चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि मतदाता सूची और आधार को जोड़ने पर यूआइडीएआइ और आयोग के विशेषज्ञों के बीच तकनीकी चर्चा जल्द शुरू होगी। साथ ही कहा, चूंकि एक मतदाता सिर्फ निर्धारित मतदान केंद्र पर ही मतदान कर सकता है, अन्य कहीं नहीं, आयोग ने देशभर में डुप्लीकेट नाम हटाने और इस दशकभर पुराने मुद्दे को तीन महीने में खत्म करने का संकल्प लिया है। राजनीतिक दलों के साथ चुनाव आयोग की चर्चाओं में यह स्पष्ट किया गया कि मसौदा मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने का काम जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 में सभी राजनीतिक दलों के लिए उपलब्ध दावे व आपत्तियां दाखिल करने के लिए प्रासंगिक कानूनी प्रविधानों के तहत अपील प्रक्रिया द्वारा नियंत्रित होगा। ऐसी अपीलें नहीं होने पर निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा तैयार सूची ही मान्य होगी। चुनाव आयोग ने स्मरण कराया कि जनवरी में स्पेशल समरी रिवीजन एक्सरसाइज पूरी होने के बाद सिर्फ 89 फर्स्ट अपील और सिर्फ एक सेकेंड अपील दायर की गई थी। आयोग ने यह भी कहा कि उसने चुनाव प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए साहसिक कदम उठाए हैं। निचले स्तर पर मुद्दों का समाधान करने के लिए लगभग 5,000 चुनाव अधिकारी 31 मार्च तक राजनीतिक दलों के साथ नियमित बैठकें करेंगे। इन अधिकारियों में राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी शामिल हैं। आयोग ने कहा कि लगभग एक करोड़ चुनाव अधिकारियों की निरंतर क्षमता वृद्धि के लिए डिजिटल ट्रेनिंग की योजना भी बनाई गई है।

युवा नेतृत्व में एक और उपलब्धि, अभिषेक पँवार को बड़ी जिम्मेदारी

इंदौर के अभिषेक पँवार बने मॉडल कॉमनवेल्थ समिट 2025 के भारत राजदूत

इंदौर के युवा सामाजिक कार्यकर्ता अभिषेक पँवार को मॉडल कॉमनवेल्थ समिट 2025 (MCS 2025) के लिए भारत का देश राजदूत (Country Ambassador) नियुक्त किया गया है। यह प्रतिष्ठित शिखर सम्मेलन 4 से 6 सितंबर 2025 को अक्रा, घाना में आयोजित होगा, जिसे ऑर्गनाइज़ेशन फॉर पॉलिसी एंड डेवलपमेंट (OPLD) द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में कॉमनवेल्थ के 56 सदस्य देशों के युवा प्रतिनिधि शामिल होंगे, जहां अभिषेक पँवार भारत की ओर से नीति-निर्माण, सतत विकास और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर विचार-विमर्श करेंगे। यह उनके लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि वे वैश्विक मंच पर भारत की आवाज़ बुलंद करेंगे और युवाओं के हितों का प्रतिनिधित्व करेंगे। अभिषेक पँवार पिछले 10 वर्षों से सामाजिक और पर्यावरणीय क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। वे पहले भी संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COY19, अज़रबैजान 2024) और SAARC Youth Summit

2024 जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसके अलावा, वे इंदौर में वंचित समुदायों के उत्थान, जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने और युवाओं को सामाजिक कार्यों से जोड़ने के लिए कार्य कर रहे हैं। उनकी नई भूमिका भारत के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय नीति-निर्माण और विकास के क्षेत्र में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करेगी। अपनी नियुक्ति पर अभिषेक पँवार ने कहा, "मुझे यह दायित्व मिलना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं पूरी कोशिश करूंगा कि कॉमनवेल्थ के उद्देश्यों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाऊं और युवाओं को इस वैश्विक मंच से जोड़ूं। यह अवसर न केवल मेरी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि मेरे पूरे इंदौर और भारत के लिए सम्मान की बात है।" उनके इस चयन से भारतीय युवाओं को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी आवाज़ बुलंद करने का नया अवसर मिलेगा। यह उपलब्धि भारत के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो वैश्विक नीति-निर्माण और सतत विकास के क्षेत्र में योगदान देना चाहते हैं। अभिषेक पँवार के प्रयास युवा नेतृत्व को सशक्त बनाने, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भागीदारी को बढ़ाने और सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।